संख्या-56/2023/1640/22-2-2022-17(1185)/2022

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 23 फरवरी, 2023

विषय:- केन्द्रीय कारागार आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी जयकुमार पुत्र श्री मिटठूलाल, निवासी जनपद-एटा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-14703/प्रोबे0-5-दया0 बैठक-16.03.2022, दिनांक 09.05.2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बंदी जयकुमार पुत्र श्री मिटठूलाल, मौहल्ला कोलियान, थाना-अवागढ़, जनपद-एटा का निवासी है। बंदी द्वारा पुरानी रंजिश के कारण 07 सहअभियुक्तों ने मिलकर चन्द्रवीर सिंह उर्फ राजा का अपहरण कर लिया जिसमें 06 लाख रूपये की मांग की गयी। पैसे नहीं दे पाने के कारण दिनांक 22.03.2005 को चन्द्रवीर सिंह उर्फ राजा की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-57/2005, में भा0द0वि0 की धारा-120बी, 364ए, 302, 201 के अन्तर्गत मा0 विशेष न्यायाधीश(डकैती प्रभावित क्षेत्र) अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-05, एटा के आदेश दिनांक 30.03.2012 द्वारा आजीवन कारावास से दंण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 05.03.2022 तक 10 वर्ष, 01 माह, 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 12 वर्ष, 03 माह, 19 दिन की सपरिहार काटी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एटा द्वारा बंदी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये बिना व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी मे होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, अपराध करने में अशक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा उल्लेख किया गया है कि बंदी के अपराध की प्रकृति वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, एटा द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी जयकुमार (बन्दी संख्या-16527) पुत्र श्री मिटठूलाल, निवासी जनपद-एटा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-56/2023/1640(1)/22-2-2022 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद- एटा।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।